CODE No. 4048

Faculties of Arts, Commerce, Science, Management & Social Science

B.A, B.Com, B.B.A, B.Sc & B.S.W II Year IV Semester (CBCS) Examination Jan./Feb. 2021

Sub: Hindi (Second Language)

Paper- IV

Time : 2 Hours **Max. Marks : 80**

खण्ड- 'क'

(4 x 5 = 20)

सूचना : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

1. रहीम ने विपदा को किस प्रकार परिभाषित किया है?
2. बिहारीलाल ने 'कनक' और 'धतूरे' को किस आधार पर अलग बताया है?
3. निराला ने सभ्यता के विकास को जड़ क्यों माना है?
4. दिनकर ने कलम को तलवार से अधिक महत्व क्यों दिया है?
5. छायावाद की विशेषताएँ बताइए।
6. महादेवी वर्मा का परिचय दीजिए।
7. 'वर्तमान शिक्षा नीति' पर निबंध लिखिए।
8. रीतिकाल की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

खण्ड- 'ख'

(3 x 20 = 60)

सूचना: निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> के विस्तार से उत्तर लिखिए।

9. **किन्हीं दो पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।**

   क) **समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय।**
   सदा रहे नहिं एक सी, का रहीम पछिताय।।

   ख) **बढ़त-बढ़त संपति-सलिलु, मन-सरोज बढ़ि जाई।**
   घटत-घटत सु न फिरि घटै, बरू समूल कुम्हिलाई।।

https://www.osmaniaonline.com

https://www.osmaniaonline.com

https://www.osmaniaonline.com

ग) फूटे शत-शत उस सहज मानवता-जल के
यहाँ वहाँ पृथ्वी के सब देशों में छलके;

घ) वे नीलम के मेघ नहीं-
जिनको है घुल जाने की चाह
वह अनन्त ऋतुराज, नहीं-
जिसने देखी जाने की राह;

10. किसी एक कविता का सारांश लिखिए।
क) वे मुस्काते फूल नहीं
ख) कलम और तलवार
ग) तू क्यों बैठ गया है पथ पर?

11. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए-
क) रीतिकालीन हिंदी साहित्य की विशेषताएँ बताइए।
ख) आधुनिककालीन परिस्थितियों को विवेचित कीजिए।

12. किन्हीं दो कवियों पर टिप्पणी कीजिए-
क) रहीम ख) निराला ग) दिनकर घ) बच्चन

13. क) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।
1. विद्यार्थी और अनुशासन
2. पर्यावरण और प्रदूषण
3. भारतीय संस्कृति

ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उत्तर लिखिए।

जब मैं वैयक्तिक और सामाजिक व्यवहार में अपनी भाषा के प्रयोग पर बल देता हूँ तब निश्चय ही मेरा तात्पर्य यह नहीं है कि व्यक्ति को दूसरी अथवा विदेशी भाषाएँ सीखनी ही नहीं चाहिए। नहीं, आवश्यकता, अनुकूलता और शक्ति के अनुसार अनेक भाषाएँ सीखनी चाहिए तथा उनमें से एकाधिक में विशेष दक्षता भी प्राप्त करनी चाहिए। ईर्ष्या किसी भी भाषा से नहीं करनी चाहिए। क्योंकि किसी भी प्रकार के ज्ञान के प्रति उपेक्षा का भाव नहीं रखना चाहिए। किंतु भाषा के क्षेत्र में प्रधानता तो अपनी भाषा और साहित्य को ही देनी चाहिए। अपनी संस्कृति, समाज, देश के विकास एवं कल्याण का मूल मंत्र अपनी भाषा के व्यवहार में निहित होता है। ज्ञान-विज्ञान, धर्म, राजनीति एवं लोकव्यवहार की आत्म लोकभाषा में ही व्याप्त होती है। अपने देश, समाज एवं भाषा की सेवा एवं वृद्धि करना सभी तरह से हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
2. अपनी भाषा के अलावा दूसरी भाषाएँ क्यों सीखनी चाहिए।
3. तुलना के स्तर पर अपनी भाषा को महत्व क्यों दिया जाता है?
4. 'ईर्ष्या' एवं 'दक्षता' के पर्यायवाची शब्द लिखिए।
5. अपने देश और संस्कृति का विकास किस प्रकार संभव है?

https://www.osmaniaonline.com
https://www.osmaniaonline.com
https://www.osmaniaonline.com